दे रखी है। मुद्रा-पूर्ति को नियंत्रित करने, व्यय में मितव्ययिता बरतने, शीघ्र प्रभावित होने वाली वस्तुओं के आपूर्ति और मांग प्रबंध को सुनिश्चित करने के कदम उठाए गए हैं। केन्द्रीय सरकार ने राज्य सरकारों/संघ राज्य-क्षेत्र प्रशासनों को, जो सार्वजनिक वितरण प्रणाली को मूलत: लागू करते हैं, समय-समय पर अन्य बातों के साथ यह सलाह दी है कि वे उन क्षेत्रों में सार्वजनिक वितरण प्रणाली के बिक्री केन्द्र खोलकर सार्वजनिक वितरण प्रणाली को मजबूत और सुप्रवाही बनायें जहां अब तक ऐसे केन्द्र नहीं हैं अथवा कम संख्या में है; सम्पूर्ण आबादी को राशन कार्ड जारी करें तथा अपनी तरफ से आम खपत की और वस्तुएं इसके द्वारा वितरित करें।

उर्वरकों का उपयोग

393. **श्री राम जेठमलानी :**
सरदार जगजीत सिंह अरोड़ा :

क्या **प्रधान मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि देश में कृषि-उत्पादन में वृद्धि के साथ-साथ उर्वरकों के उपयोग में भी वृद्धि हो रही है;

(ख) यदि हां, तो 1991-92 के वर्ष के दौरान देश में उर्वरकों की अनुमानित आवश्यकता कितनी होगी और इस आवश्यकता की पूर्ति के लिए देश में उर्वरकों का कितनी मात्रा में उत्पादन किया जा रहा है; और

(ग) उर्वरकों की शेष मात्रा के आयात के लिए सरकार द्वारा क्या व्यवस्था की गई है और चालू वर्ष के दौरान उर्वरकों का कितनी मात्रा में आयात किए जाने का विचार है?

रसायन और उर्वरक मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री चिंता मोहन) : (क) जी, हां।

(ख) 1991-92 में कुछ अनुमानों पर आधारित उर्वरकों के उत्पादन और खपत का आकलन निम्नानुसार है :

(आंकड़े लाख मी. टन में)

	एन	पी	के	योग
खपत . .	81.44	36.47	14.35	135.26
उत्पादन . .	72.00	22.00	—	94.00

(ग) उर्वरकों की आवश्यकता को वर्ष के प्रारंभ में प्रयोग में नहीं लाये गये अवशेष भंडार और स्वदेशी उत्पादन तथा आयातों द्वारा पूरा किया जाता है। पोटैशिक और गैर-पोटैशिक उर्वरकों के आयात के लिए व्यवस्था शुरू कर दी गयी है। एम.एम.टी.सी. ने जोकि इस उद्देश्य के लिए सरणीबद्ध अभिकरण है, आयात के लिए ठेकों को अंतिम रूप देना आरंभ कर दिया है।

पूरे वर्ष के दौरान आयात किये जाने वाले उर्वरकों की यथार्थ मात्रा अभी पूर्णत: निश्चित नहीं की गयी है।

भारतीय उर्वरक निगम को हुआ घाटा

394. **श्री राम जेठमलानी :**
सरदार जगजीत सिंह अरोड़ा :

क्या **प्रधान मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि 1990-91 के वर्ष के दौरान भारतीय उर्वरक निगम को कुल 200 करोड़ रुपये का घाटा हुआ है;

(ख) यदि हां, तो घाटे का ब्यौरा क्या है और देश में निगम के अधीन कुल कितनी उत्पादन इकाइयां काम कर रही हैं;

(ग) 1990–91 के वर्ष के दौरान प्रत्येक इकाई में उर्वरकों का कितना उत्पादन हुआ है और प्रत्येक इकाई की उत्पादन क्षमता पृथक-पृथक कितनी है; और

(घ) इन इकाइयों की पूर्ण उत्पादन-क्षमता का उपयोग न किये जाने के क्या कारण हैं ?

रसायन और उर्वरक मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री चिंता मोहन) : (क) जी नहीं। अनंतिम आधार पर, यह अनुमान लगाया गया है कि फर्टिलाइजर कार्पोरेशन आफ इंडिया ने वर्ष 1990–91 के दौरान 170.33 करोड़ रु. की हानि उठाई है।

(ख) 1990–91 के दौरान हुई एकक वार अनंतिम हानि निम्न प्रकार है:

	रु०/करोड़
सिन्दरी . .	41.14
गोरखपुर . .	39.35
रामागुण्डम . .	51.83
तालचर . .	26.82
जोधपुर . .	0.99
विपणन . .	10.20
योग . . .	170.33

फर्टिलाइजर कार्पोरेशन आफ इंडिया के चार एकक है, अर्थात् बिहार में सिन्दरी, उ.प्र. में गोरखपुर, आन्ध्र प्रदेश में रामागुण्डम तथा उड़ीसा में तालचर। इसके अतिरिक्त इसका एक खनन संगठन है जो जोधपुर खनन संगठन के नाम से ज्ञात है जो राजस्थान में जिप्सम के खनन में रत है।

(ग) फर्टिलाइजर कार्पोरेशन आफ इंडिया लि. के प्रत्येक एकक द्वारा 1990–91 के दौरान प्राप्त वास्तविक उत्पादन तथा स्थापित क्षमता निम्न प्रकार है:

(000 मी. टन नाइट्रोजन)

एकक	स्थापित क्षमता	वास्तविक उत्पादन
सिन्दरी	222.15	130.4
गोरखपुर .	131.10	11.6*
रामागुण्डम	227.70	36.0
तालचर .	227.70	73.1
योग .	808.65	251.1

*संयंत्र एक विस्फोट के पश्चात् 10-6-90 से बन्द पड़ा है और उस समय से इस एकक में कोई उत्पादन नहीं हुआ है।

(घ) इन एककों को पूर्ण उत्पादन क्षमता का उपयोग न किये जाने के कारण निम्न प्रकार है'–

(1) कोयले की घटिया किस्म।

(2) रामागुण्डम तथा तालचर में राज्य विद्युत बोर्डों से पावर की समस्याएं।

(3) रामागुण्डम तथा तालचर स्थित कोयले पर आधारित संयंत्रों में डिजाइन कमियां तथा उपस्कर असंतुलन।

(4) संयंत्रों का पुरानापन, गोरखपुर संयंत्र 1969 में चालू किया गया जो अब पुराना हो गया है और इसमें अप्रचलित प्रौद्योगिकी है।

(5) उपर्युक्त के अतिरिक्त, अन्य कारण है–सिन्दरी में बहुत पुराना पावर संयंत्र, सिन्दरी अमोनिया संयंत्र में कुछ डिजाइन समस्याएं तथा खराबियां तथा सिन्दरी में बृहत इन्फ्रास्ट्रक्चर।